प्रलिम्सि फैक्ट्स: 09 नवंबर, 2020

- राष्ट्रीय विधिकि सेवा दविस
- डोबरा चांठी पुल
- मारसुपयिल्स की दो नई प्रजातयिाँ
- एच1 एन2 वायरस

राष्ट्रीय विधिकि सेवा दविस

National Legal Services Day

प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिकि सेवा दविस (National Legal Services Day-NLSD) मनाया जाता है।

उद्देश्य: इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में कानूनी जागरूकता फैलाना है, साथ ही समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता एवं सलाह प्रदान करना है, ताकि सभी के लिये न्याय सुनिश्चित हो सके।

प्रमुख बिंदु:

- राष्ट्रीय विधिकि सेवा दविस (NLSD) की शुरुआत पहली बार वर्ष 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को सहायता एवं समर्थन प्रदान करने के लिये की गई थी।
- भारतीय संसद द्वारा भारतीय विधिकि सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 (Indian Legal Services Authorities Act 1987) को 9 नवंबर, 1995 को लागू किया गया। इसलिये 9 नवंबर को 'राष्ट्रीय विधिकि सेवा दविस' के रूप में चिह्नित किया गया है।

राष्ट्रीय विधिकि सेवा प्राधिकरण

(National Legal Services Authority-NALSA):

- नालसा (NALSA) का गठन विधिकि सेवा प्राधिकरण अधिनियिम, 1987 के अंतर्गत समाज के कमज़ोर वर्गों को निःशुल्क कानूनी सेवाएँ प्रदान करने के लिये और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिये लोक अदालतों का आयोजन करने के उद्देश्य से किया गया है।
- भारत का मुख्य न्यायाधीश नालसा (NALSA) का मुख्य संरक्षक होता है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का द्वितीय वरिष्ठ न्यायाधीश प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष होता है।
- संविधान के अनुच्छेद 39 A, अवसर की समानता के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने के लिये समाज के गरीब और कमज़ोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 22 (1), विधि के समक्ष समानता सुनिश्चित करने के लिये राज्य को बाध्य करते हैं।

मुफ्त विधिकि सेवाएँ:

- किसी कानूनी कार्यवाही में कोर्ट फीस और अन्य सभी प्रभार अदा करना।
- कानूनी कार्यवाही में वकील उपलब्ध कराना।
- कानूनी कार्यवाही में आदेशों आदि की प्रमाणित प्रतियाँ प्राप्त करना।
- कानूनी कार्यवाही में अपील और दस्तावेज़ का अनुवाद और छपाई सहित पेपर बुक तैयार करना।

डोबरा चांठी पुल

Dobra Chanthi Bridge

8 नवंबर, 2020 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री द्वारा टिहरी-गढ़वाल ज़िले में **टिहरी झील** (Tehri lake) पर लंबे समय से प्रतीक्षित **डोबरा-चांठी पुल** (Dobra Chanthi Bridge) का उद्घाटन किया गया।

//

प्रमुख बिंदु:

- यह देश का सबसे लंबा सिंगल लेन मोटरेबल सस्पेंसन ब्रिज (Motorable Suspension Bridge) है।
- 725 मीटर लंबे इस पुल को सार्वजनिक उपयोग के लिये खोल दिया गया है।
- यह टिहरी और प्रताप नगर के बीच यात्रा के समय में 1.5-5 घंटे की कटौती करेगा।
- 2.96 करोड़ रुपए की लागत से टिहरी झील के ऊपर बने इस सस्पेंशन ब्रिज से टिहरी ज़िले के प्रताप नगर और थौलधार (Thauldhar) के लगभग 2.50 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद जताई गई है।
- **टिहरी बाँध** के निर्माण के साथ प्रताप नगर को ज़िला मुख्यालय से जोड़ने वाला पुल टिहरी झील में जलमग्न हो गया था और क्षेत्र के स्थानीय लोगों को 100 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा था।
  - टिहरी बाँध भारत का सबसे ऊँचा और दुनिया के सबसे ऊँचे बाँधों में से एक है। यह उत्तराखंड में टिहरी के पास भागीरथी नदी पर बनाया गया है।
- इसके उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डोबरा-चांठी पुल क्षेत्र में विकास का एक प्रवेश द्वार होगा। भविष्य में यह स्थान एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा जिससे स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार भी उत्पन्न होंगे।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में अवस्थित टिहरी झील (Tehri lake) एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।

मार्सुपियल्स की दो नई प्रजातियाँ

Two new species of Marsupials

हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्त्ताओं ने मार्सुपियल्स की दो नई प्रजातियों की पहचान की है, ये दोनों प्रजातियाँ '**डो-आइड फ्लाइंग मार्सुपियल्स**' (Doe-eyed Flying Marsupials) परिवार से संबंधित हैं जिन्हें **ग्रेटर ग्लाइडर्स** (Greater Gliders) के रूप में जाना जाता है।

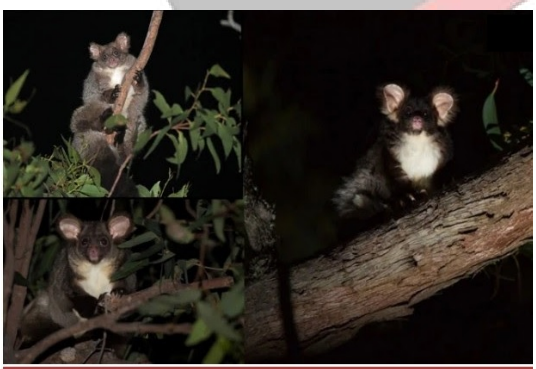

Different variations of greater gliders from northern (top left), central (bottom left) and southern (right) Australia.

प्रमुख बिंदु:

- 'नेचर साइंटफिकि रपिोर्ट्स' जरनल में प्रकाशति एक अध्ययन के अनुसार, उत्तरी एवं मध्य ऑस्ट्रेलयिा में ग्लाइडर की दो नई वशिषि्ट एवं छोटी प्रजातयिाँ खोजी गई हैं जो देश के दक्षणिी छोर में स्थति मार्सुपयिल के ज्ञात आवास के बाहर हैं।
    - पहले से ही ज्ञात **दक्षणिी ग्लाइडर** (Southern Glider) जो कि एक सामान्य पोसम (Possum) के आकार का होता है, दनि के समय वक्टिोरयिा एवं न्यू साउथ वेल्स के जंगलों में खोखले पेड़ों में सोता है और यूकेलप्टिस के पत्तों की तलाश में रात में बाहर नकिलता है।
        - हाल के वर्षों में इसे एक जोखमि वाली प्रजाति के रूप में वर्गीकृत कयिा गया है, ग्लोबल वार्मगि एवं शहरी वकिास के अतक्रिमण के कारण इसकी आबादी में पछिले दो दशकों में 80% से अधकि की गरिावट आई है।

नई प्रजातयिाँ:

- नई खोजी गई **ग्लाइडर की उत्तरी प्रजाति** जो क्वींसलैंड में मैके (Mackay) एवं केरन्स (Cairns) के बीच यूकेलप्टिस के जंगलों में रहती है, ग्लाइडर परवािर में सबसे छोटी है, जो छोटे रगिटेल पोसम (Little Ringtail Possum) के आकार तक बढ़ती है, यह लगभग एक फुट लंबा होता है।
    - जबकि दक्षणिी ग्लाइडर आकार में लगभग 2 फीट तक लंबा होता है।
- नई पाई जाने वाली **ग्लाइडर की केंद्रीय प्रजाति** (Central Species) दक्षणिी क्वींसलैंड में मैके (Mackay) तक के क्षेत्रों में पाई जाती हैं और आकार में दो अन्य प्रजातयिों से भनि्न है।

एच1 एन2 वायरस

H1N2 Virus

हाल ही में कनाडा ने **एच1एन2 वायरस** (H1N2 Virus) से संक्रमति मानव के पहले मामले की सूचना दी जो [स्वाइन फ्लू](#) (Swine Flu) का एक दुर्लभ लक्षण है।

प्रमुख बदि:

- स्वाइन फ्लू (Swine Flu), H1N1 नामक फ्लू वायरस के कारण होता है।
- H1N1 एक प्रकार का संक्रामक वायरस है, यह सूअर, पक्षी और मानव जीन का एक संयोजन है, जो सूअरों में एक साथ मश्रिति होते हैं और मनुष्यों में फैल जाते हैं।
- H1N1 एक प्रकार से श्वसन संबंधी बीमारी का कारण बनता है जो कि बहुत संक्रामक होता है।
- H1N1 संक्रमण को स्वाइन फ्लू के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि अतीत में यह उन्हीं लोगों को होता था जो सूअरों के सीधे संपर्क में आते थे।
- H1N1 की तीन श्रेणयिाँ हैं - A, B और C
    - A और B श्रेणयिों को घरेलू देखभाल की आवश्यकता होती है, जबकि श्रेणी C में तत्काल अस्पताल में भरती कराने और चकित्सिा की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके लक्षण और परणिाम बेहद गंभीर होते हैं और इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंज़ा टाइप ए वायरस का ही दूसरा नाम है जो सूअरों (स्वाइन) को प्रभावति करता है। हालाँकि स्वाइन फ्लू आमतौर पर मनुष्यों को प्रभावति नहीं करता है, लेकनि वर्ष 2009-2010 में इसने एक वैश्वकि प्रकोप (महामारी) का रूप धारण कर लयिा था, तब 40 वर्षों से अधकि समय के बाद फ्लू के रूप में कोई महामारी पूरी दुनयिा में फैली थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-09-november-2020